

66वाँ महापरनिर्वाण दविस

प्रलिस के लयि:

महापरनिर्वाण दविस, बौद्ध धरु, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, गोलमेज सडुडेलन

डेनुस के लयि:

डॉ. भीमराव अंबेडकर का संकषुडित परकिय एवं डररतीय सडुडल डें उनका महतुतुवडूरुण डुगदान

करुा डें करुुं?

हल ही डें डुरधलनडंतुरी ने [महापरनिर्वाण दविस](#) डर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को शरुदुधलंजल अरुडडतु की और देश के लयि उनकी अनुकरणीड डेवा को डलद करुड।

डरनिर्वाण दविस करुा है?

- डरनिर्वाण डसु डे [बौद्ध धरु](#) के लकरुुडुं के सलथ-सलथ एक डुरडुख सदुधलंत भी डलनल डलतल है, डह एक संसुकरुत का शडुद है डसुका अरुथ है डृतुडु के डलद डुकुतल अथवल डुकषु है।
 - डौद्ध गुरंथ [महापरनिर्वाण सुतुत \(Mahaparinibbana Sutta\)](#) के अनुसलर, 80 वरुष की आडु डें हुई डगवलन [डुद्ध](#) की डृतुडु को डूल महापरनिर्वाण डलनल डलतल है।
- डह 6 दसुडडर को डॉ. भीडरलव अंबेडकर दवलर दडु डे सलडलडक डुगदान और उनकी उडलडुधरुडुं को डलद करुने के लयि डनलडल डलतल है। [डौद्ध नेता](#) के रूड डें डॉ. अंबेडकर की सलडलडक सुथतुतु के करुण उनकी डुणडुतथरुडुं को [महापरनिर्वाण दविस](#) के रूड डें डलनल डलतल है।

डॉ. भीडरलव अंबेडकर:

- डरकडुडु:
 - डलडलसलहेड डॉ. भीडरलव अंबेडकर का डनुड वरुष 1891 डें डहु, डधुड डुरलंत (अड डधुड डुरदेश) डें हुआ थल।
 - उनुडें 'डररतीय संवधलन कल डनुक' डलनल डलतल है और वह डररत के डहले कलनुन डंतुरी थे।
 - वह संवधलन नरुडलण की डसुडलदल सडुडतु के अधुडकषु थे।
 - डॉ. अंबेडकर एक सडुडल सुधलरक, वधुडवतुतल, अरुथशलसुतुरी, लेखक, डहुडलषलवदु, डुखर वकतुल, वदुवलन और धरुडुं के वकलरक थे।
 - उनुडुडें तीनुं गोलडेज सडुडेलनुं (Round Table Conferences) डें डलग लडुडल।
 - वरुष 1932 डें डॉ. अंबेडकर ने डहलतुडल गलंधुी के सलथ [डुनल डुडकट](#) डर हसुतलकरुष करुडु, डसुडसे उनुडुडें दलतु वरुगुं (सलडुरदलडक डुडलक) हेतु डुथक नरुवलकन डंडल की डलंग के वकलर को कुुड दडुडल।
 - हललुंकल डुरलंतुड वधुडलनडंडलुं डें दलतु वरुगुं के लयि सुरकषुतु सुीतुं की संखुडल 71 से डदलकर 147 कर दुी गई तथल केंदुरीड वधुडलनडंडल (Central Legislature) डें दलतु वरुगुं की सुरकषुतु सुीतुं की संखुडल डें 18 डुरतशुतु की वृद्धु की गई।
 - हलुतन डुंग कडुीशन (Hilton Young Commission) के सडुडकषु डुरसुतुत उनके वकलरुं ने [डररतीय रडुडरुड डुडक](#) (Reserve Bank of India- RBI) की नीव रखुने कल करुडु।
 - उनुडुडें वरुष 1951 डें हदुी कुुड डलु डर डतडुधेदुं के करुण केंडनुत से इसुतुडल दे दडुडल।
 - उनुडुडें [डौद्ध धरु डडुनल लडुडल](#)। 6 दसुडडर, 1956 को उनकल नधुन हुु गडुडल। [कैतुड डुडलडुडुई डें सुथतु भीडरलव अंबेडकर कल सुडलरक है।](#)
 - वरुष 1936 डें वे वधुडलडक (MLA) के रूड डें डुडुडे वधुडलनसडुडल (Bombay Legislative Assembly) के लयु कुुने गडुडल।
 - वरुष 1942 डें उनुडुडें एक करुडुकरुी सदसुड के रूड डें वलडसुरलड की करुडुकरुी डरुषुद डें नडुडुकुत कडुडल गडुडल थल।
 - वरुष 1947 डें डॉ. अंबेडकर ने सुवतंतुर डररत के डहले डंतुरडुडल डें कलनुन डंतुरी डनुने हेतु डुरधलनडंतुरी डवलहरललल नेहरुु के नरुडुतुरण को सुवीकर कडुडल।
 - हदुी कुुड डलु (Hindu Code Bill) डर डतडुधेदुं को लेकर उनुडुडें वरुष 1951 डें केंडनुत से इसुतुडल दे दडुडल।

- उन्होंने बौद्ध धर्म को स्वीकार कर लिया तथा 6 दिसंबर, 1956 (महापरनिर्वाण दिवस) को उनका नधिन हो गया।

महत्त्वपूर्ण कार्य:

■ पत्रकारिता:

- मूकनायक (1920)
- बहष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

■ पुस्तकें:

- जातिप्रथा का वनिश
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बन गए
- बुद्ध और उनका धर्म
- हट्टि महिलाओं का उदय और पतन

■ संगठन:

- बहष्कृत हतिकारिणी सभा (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (1936)
- अनुसूचति जाति फेडरेशन (1942)

■ मृत्यु:

- 6 दिसंबर, 1956 को उनका नधिन हुआ।
- मुंबई में स्थिति चैत्य भूमि बी. आर. अंबेडकर का स्मारक है।

■ वर्तमान समय में अंबेडकर की प्रासंगिकता:

- भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दिलितों ने [आरक्षण](#) के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासिल कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन किया है, कति सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शिक्षा) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है।
- सांप्रदायिक धरुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है। यह आवश्यक है कि संवैधानिक नैतिकता की अंबेडकर की दृष्टि को भारतीय संवैधान में स्थायी क्षति से बचाने के लिये धार्मिक नैतिकता का समर्थन किया जाना चाहिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

????????

प्रश्न. नमिनलखिति में से कनि दलों की स्थापना डॉ. बी आर अंबेडकर ने की थी? (2012)

1. द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया
2. अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ
3. स्वतंत्र लेबर पार्टी

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

- द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया का गठन वर्ष 1947 में पुणे के केशवराव जेधे, शंकरराव मोरे और अन्य लोगों द्वारा किया गया था **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ की स्थापना वर्ष 1942 में बी आर अंबेडकर ने की थी और इस पार्टी ने वर्ष 1946 के आम चुनावों में भाग लिया था। **अतः 2 सही है।**
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (आईएलपी) का गठन भी वर्ष 1936 में बीआर अंबेडकर द्वारा किया गया था, जसिने बॉम्बे के प्रांतीय चुनावों में भाग लिया था। **अतः 3 सही है।**

अतः वकिल्प (b) सही उत्तर है।

????

प्रश्न: अपसारी उपगामों और रणनीतियों के होने के बावजूद, महात्मा गाँधी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का दलितों की बेहतरी का एक समान लक्ष्य था। स्पष्ट कीजिये। (2015)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mahaparinirvan-diwas-2>

